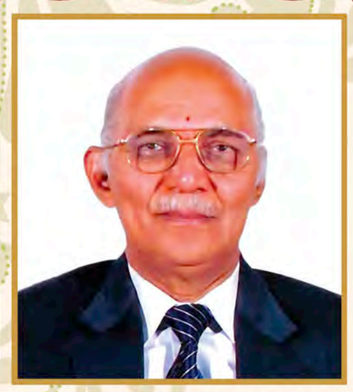

डॉ. महिपति एम. जोशि

Dr. Mahipati M. Joshi



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. महिपति एम. जोशि

डॉ. महिपति एम जोशि हुबली, कर्नाटक में स्थित प्रतिष्ठित एम.एम. जोशी आई इंस्टीट्यूट के संस्थापक निदेशक तथा मुख्य परामर्शदाता हैं। आप एक ख्याति प्राप्त नेत्र रोग विज्ञानी हैं। आपको एक ऐसे सुपर स्पेशियलिटी आई केयर शुरू करने के लिए भारत के नेत्र रोग विज्ञानियों की बिरादरी में एक प्रणेता के रूप में दूर–दूर तक जाना जाता है जो समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती चिकित्सा मुहैया कराता है।

2. आपका जन्म 10 मई 1935 को हुआ था। आपने वर्ष 1961 में बड़ौदा से एम बी बी एस की डिग्री हासिल की तथा 1967 में सेठ जी एस मेडिकल कॉलेज और के ई एम हॉस्पिटल, मुम्बई से नेत्ररोग चिकित्सा में एम एस पोस्ट ग्रेज्युएट की डिग्री हासिल की। बाद में आपने उत्तरी कर्नाटक में हुबली में अपने नेत्र चिकित्सा संस्थान की स्थापना की जिसे सम्पूर्ण उत्तरी कर्नाटक के लिए एक रैफरल हॉस्पिटल के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। एन ए बी एच से मान्यताप्राप्त इस संस्थान में गम्भीर विटरियो–रेटीना संबंधी बीमारियों, कोरनिया संबंधी बीमारियों, ग्लूकोमा, भेंगेपन की बीमारी, एडवांस्ड केटरेक्ट सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधाएं तथा रिफ्रेक्टिव सर्जरी की उन्नत तकनीक उपलब्ध है। सामुदायिक नेत्र रोग चिकित्सा सेवाएं इस संस्थान में जनता के विश्वास के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध हुई हैं। यह उत्तरी कर्नाटक में सुरक्षित नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित कर रहा है जहां गरीब अंधे लोगों की निःशुल्क अत्याधुनिक केट्रेक्ट सर्जरी की जाती है।

3. आपने अंधेपन की बीमारी को समाप्त करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब लोगों की निःशुल्क सेवा करने के लिए 1979 में श्री गुरू महिपतिराज आई बैंक नामक चेरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की। अब तक आपने सेवा संगठनों और स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में 730 निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किए हैं। इन शिविरों में लगभग 13,00,000 लोगों ने आंखों की जांच कराई है तथा इलाज कराया है और एक लाख लोगों की आंखों की रोशनी लाने के लिए उनका आप्रेशन किया गया है। आपने इस क्षेत्र में 1975 में स्वैच्छिक नेत्रदान एवं कॉर्नेइल ग्राफ्टिंग को बढ़ावा देने के कार्य में अग्रणी भूमिका निभाई और 1979 में एस.जी.एम आई बैंक एवं रिसर्च फाउन्डेशन ट्रस्ट की स्थापना की जो समूचे उत्तरी कर्नाटक में सर्वाधिक सक्रिय आई बैंक है। अब तक 3600 से अधिक साइट रिस्टोरिंग कॉर्नेइल ग्राफ्टिंग सर्जरीज की जा चुकी हैं। ये कॉर्नेइल ग्राफ्टिंग सर्जरीज चेरिटेबल आधार पर की जाती हैं। एम.एम जोशी आई इंस्टीट्यूट को एक अन्तरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन "ओरबिस इन्टरनेशनल" द्वारा बचपन में आंखों की जटिल बीमारियों का निःशुल्क इलाज करने के लिए उत्तरी कर्नाटक के लिए एक शिशु नेत्र चिकित्सा केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। अब तक 5 लाख से अधिक बच्चों की जांच की गई है तथा उनका इलाज किया गया है और आवश्यक सलाह दी गई है। 10000 से अधिक चश्मे निःशुल्क वितरित किए गए और 1500 से अधिक नेत्र सर्जरी की गईं।

4. आपको अनेक पुरस्कार प्रदान किए गए हैं जिनमें चिकित्सा के क्षेत्र में कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, एफ आई ई नेशनल अवार्ड इचालकरंजी फॉर ह्यूमिनिटीज 1997, फरवरी 2010 में कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ द्वारा ऑनरेरी डॉक्टरेट "डॉक्टर ऑफ साइंस", 1990–2000 में आई. एम.ए कर्नाटक द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में आपके द्वारा की गई उल्लेखनीय सेवा के लिए वर्ष 2014–15 में ऑल इण्डिया ऑप्थेलमोलोजीकल सोसाइटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार शामिल है। आपको 1998 में नेशनल कान्फ्रेंस ऑफ कम्युनिटी ऑप्थेलमोलोजी में नेत्रहीनता राहत कार्य में अनुकरणीय सामुदायिक सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

Dr. Mahipati M. Joshi

Dr. Mahipati M Joshi, Founder Director and Chief Mentor of M. M. Joshi Eye Institute, a Premier Eye Hospital in Hubli, Karnataka, is a renowned ophthalmologist. He is widely recognized in the ophthalmic fraternity of India as one of the pioneers for starting super specialty eye care that is affordable for all sections of society.

2. Born on 10th May 1935, Dr Joshi received his MBBS degree from Baroda in 1961 and MS Post graduate degree in ophthalmology from Seth G S Medical College and KEM hospital, Mumbai in 1967. He later set up his ophthalmic institute at Hubli of North Karnataka,which has been transferred into be a referral Hospital for the whole of North Karnataka. The institute which has NABH accreditation, has state of the art facilities for diagnosis and management of complex Vitreo-retinal diseases, corneal diseases, Glaucoma, squint, advanced cataract surgery and cutting edge technology for refractive surgery. Community Ophthalmology services have been the backbone of the public trust reposed over this Institute. It has been conducting safe, scientific eye camps in North Karnataka where poor blind people undergo ultramodern cataract surgery free of cost.

3. Dr. Joshi established a charitable trust in 1979 called Shri Guru Mahipatiraj Eye Bank and Research Foundation Trust (SGM Trust) to render free service to the poor people of rural areas for eradication of blindness. So far, he has conducted nearly 730 free eye camps in rural areas with the co-operation of service Organizations and local bodies. In these camps about 13,00,000 people have received examination of the eyes and treatment and around one lakh persons have been operated upon for visual rehabilitation. He also started pioneering work in promoting voluntary Eye donations & Corneal grafting in 1975 in this region and floated S.G.M. Eye Bank and Research Foundation Trust in 1979, which is the most active Eye Bank in Entire North Karnataka. More than 3600 sight restoring corneal grafting surgeries have been done so far. These Corneal grafting surgeries are on a charitable basis. M. M. Joshi Eye Institute has been recognized as a Pediatric Ophthalmology Centre for North Karnataka by an International NGO "ORBIS International" for treating complicated eye problems in childhood entirely free of cost. So far more than 5 lakh children have been screened and needful treatment and advice rendered. More than 10,000 free spectacles were distributed and more than 1500 eye surgeries performed.

4. Dr. Joshi has been honoured with many awards including Karnataka Rajyotsava Award in medical stream, FIE National Award Ichalkaranji for Humanities 1997, Honorary Doctorate "Doctor of Science" by the Karnataka University Dharwad in February 2010, Life Time Achievement Award by I.M.A Karnataka in 1999-2000, Life time Achievement Award by All India Ophthalmological Society in 2014-15 for the yeomen service by him to ophthalmic fraternity 85 community. He was felicitated for Exemplary Community Service in blindness relief work at the national Conference of Community Ophthalmology at Miraj in 1998.